MAHD-03

June - Examination 2017

M.A. (Previous) Hindi Examination

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Paper - MAHD-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) आदिकाल को 'चारण काल' नाम किस इतिहासकार ने दिया है?

(ii) सूफी कवि मंझन की प्रमुख कृति का नाम लिखिए।

(iii) बिहारी रीतिकाल की किस काव्यधारा के कविये था?

(iv) भारतेन्दु युगीन कविता की किसी एक प्रवृत्ति का उल्लेख करें।

(v) छायावाद के चार स्तंभ किसे माना गया है?

(vi) प्रगतिवाद की दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(vii) आ. शुक्ल ने किस कृति को हिन्दी का पहला उपन्यास माना है?

(viii) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' की दो कहानियों का शीर्षक बताएँ।

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) आदिकाल की सामान्य परिस्थितियों की चर्चा कीजिए।

3) ज्ञानमार्गी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ रेखांकित करें।

4) रीति बद्ध कविता पर प्रकाश डालिए।

5) द्विवेदी युगीन कविता पर महावीर प्रसाद द्विवेदी के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

6) प्रयोगवादी कविता की सामान्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

7) हिन्दी नाटकों के विकास क्रम का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8) हिन्दी कहानी में प्रेमचंद के योगदान की समीक्षा कीजिए।

9) भारतेंदु युगीन निबंधकारों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(निबंधात्मक प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) भक्तिकाल के उद्‌भव के संबंध में विभिन्न विद्वानों के मत–मतांतरों की समीक्षा कीजिए।

11) आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि की चर्चा करते हुए भारतेंदु युगीन कविता की सामान्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

12) छायावाद नामकरण पर विचार करते हुए छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

13) आदिकाल के अंतर्गत जैन साहित्य, रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए।